कवि संतोष ‘बादल’ (अध्ययन एवं अनुशीलन)

श्रीमती रोशनी दिनेश नायक
शोधार्थी
RTMNU Nagpur University

प्रस्तावना :

साहित्य के क्षेत्र में एक उभरता तारा जो अपनी व्यवसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन से हटकर एक विशेष दिशा में अपना स्थान सुनिश्चित करने के पथ पर अग्रसर है जो अपनी प्रतिभा एवं रुचि को नई दिशा देने के पक्ष में है ऐसे ही महान हस्ती है कवि संतोष (बादल)।

कवि संतोष ‘बादल’ पेशे से तो एक पुलिस अधिकारी है किंतु ,उनका शौक उन्हें साहित्य की ओर आकर्षित करता है 1 अपने शौक से ही प्रेरित होकर उन्होंने अनेक रचनाओं की रचना की है तथा अलग-अलग विधाओं पर अपनी लेखनी चलाई है1 उनकी कविताओं में उन्होंने सामाजिक समस्या ,बाल मनोविज्ञान समस्या एवं पर्यावरण समस्या को उजागर करने का प्रयत्न किया है इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार ,रिश्वतखोरी ,घूसखोरी सभी का पर्दाफाश करते हुए अनेक रचनाओं को प्रस्तुत किया है उनकी अनेक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है और उन्होंने लगभग 32 रचनाओं की रचना की है उन्हें अनेक पुरस्कार और सम्मान भी प्राप्त हैं अपनी रचनाओं में निहित ‘यथार्थ बोध ‘ के कारण भविष्य में कभी ना कभी निश्चित तौर पर उन्हें विश्व विख्याति अवश्य प्राप्त होगी 1 वह एक महान साहित्यकार होने के साथ साथ एक महान देशभक्त भी हैं।

बीच शब्द (key word) :

1. कवि ‘बादल’ का परिचय
2. व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
3. सम्मानित पुरस्कार
4. कृतित्व का सार उद्देश्य
5. नारी विमर्श
6. बाल मनोविज्ञान से संबंधित विमर्श
7. पर्यावरण व यातायात संबंधी रचनाएं
8. भ्रष्टाचार एवं चापलूसी संबंधित व्यंग्य रचनाएं।

१. कवि संतोष पांडे (बादल)का परिचय :

कवि संतोष बादल का पूरा नाम ‘संतोष राम नारायण पांडे’ हैं किंतु, साहित्य जगत में उनका उपनाम कवि ‘संतोष बादल’ है तथा उनकी माता का नाम सौं. ‘कृष्णा देवी राम नारायण पांडे’ हैं उनकी पत्नी का नाम सौं. ‘स्नेहा पांडे’ तथा उनकी बेटी का नाम ‘प्राची’ हैं इनका जन्म नागपुर महाराष्ट्र में हुआ उन्होंने पारंपरिक शिक्षा

नागपुर से तत्पश्चात प्राइमरी पाठशाला भदरी प्रतापगढ़ से पुर्ण किया इसके बाद उन्होंने बी.ए. का अध्ययन अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद से किया और अंत में उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से ए.म. हिंदी एवं भूगोल इन विषयों पर किया इसके बाद वह पुलिस विभाग में एक अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए और वर्तमान में अभी 2021 में नागपुर पुलिस विभाग में वरिष्ठ आरक्षक के पद पर तैनात हैं उनका व्यवसायिक पेशा देश की सेवा करना है किंतु साहित्य के प्रति रुचि और कविताओं के प्रति उनका आकर्षण उन्हें साहित्य की ओर आकर्षित करता है जिसके परिणाम स्वरुप उन्होंने अनेक कविताएं, खंडकाव्य ,व्यंग्य रचनाएं एवं बाल साहित्य और नारी विमर्श से संबंधित रचनाओं की रचना की है।

२. व्यक्तित्व एवं कृतित्व :

कवि संतोष बादल व्यवसायिक तौर पर एक पुलिस अधिकारी है किंतु साहित्य के प्रति आकर्षण एवं उनकी रुचि और शौक के कारण उन्होंने अनेक रचनाओं की रचना की है जो अलग-अलग विधाओं में है उन्होंने केवल मनोरंजन के को ध्यान में रखकर अपनी कविताओं का निर्माण नहीं किया है बल्कि निहित यथार्थ को समाज के सामने लाने का प्रयत्न किया है उन्होंने सामाजिक समस्या ,आर्थिक समस्या, नैतिक समस्या, स्त्री विमर्श, बाल मनोविज्ञान से संबंधित रचनाओं की रचना की है। इसके साथ ही आध्यात्मिक दृष्टिकोण का अभिलेख उनके साहित्य में देखने को मिलता है उन्होंने जो वर्तमान में सबसे गंभीर समस्या है जैसे :-पर्यावरण एवं नारी विमर्श इन विषयों पर भी अपनी लेखनी चलाई है उनके द्वारा रचित प्रमुख रचनाएं इस प्रकार से हैं।-

तिनको का का महल, (खंडकाव्य), तिमिर, (खंडहर काव्य) हंसते फूल ,धरती करे पुकार ,बचपन(खंडकाव्य) कृष्ण सागर ,प्रियदर्शनी(खंडकाव्य) बेटी (खंडकाव्य) तीसरा मेंढक(व्यंग्य निबंध संग्रह), धरती और आकाश (पर्यावरण ,दोहावली) ,पुलिस एक कवि (कविता संग्रह) फुलवारी, पद के चिन्ह ,अंत्तदीप भव: , नीर भरी दुख की बदली आदि अनेक काव्य संग्रह हैं।

इसके अलावा 450 से अधिक रचनाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

३. सम्मानित पुरस्कार :

कवि संतोष ‘ बादल ' ने अपनी प्रतिभा और लेखन शैली से साहित्य समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है और आगे भविष्य में अनेक प्रसिद्धि भी प्राप्त करेंगे। उन्हें अपने लेखन कार्य के लिए अनेक पुरस्कार भी प्राप्त है जो इस प्रकार है:-

1. मेदिनी पुरस्कार भारत सरकार द्वारा ।
2. मोहनलाल द्विवेदी पुरस्कार महाराष्ट्र, हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा ।
3. राम प्रकाश सक्सेना सम्मान(बाल साहित्य)
4. सारस्वत सम्मान मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली के सौजन्य-२०१७
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा २०१७.
6. सम्मेलन सम्मान (हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा)

7. कबीर साहित्य सेवा पुरस्कार.
8. आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार 2023
9. साहित्य महोपाध्याय मानद उपाधि (हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा).

४. कृतित्व का सार उद्देश्य :

कवि संतोष' बादल' ने अपनी धार - धार लेखनी के माध्यम से ऐसी कविताएं, खंडकाव्य व्यंग्य रचनाओं की रचना की है जो जीवन का यथार्थ ,सच्चाई एवं भेद को खोलती है जिसमें केवल एक निश्चित उद्देश्य है उन्होंने अनेक विधाओं में कार्य किया है जो इस प्रकार से हैं;-

नारी विमर्श :

नारी विमर्श भूतकाल से लेकर वर्तमान काल तक एक गंभीर समस्या बन गई है इन समस्याओं से संबंधित उनकी अनेक रचनाएं हैं: जिसमें, बेटी, तिनकों का महल, प्रियदर्शनी आदि हैं। इन रचनाओं के माध्यम से कवि ने यह बताने का प्रयत्न किया है किस तरह कन्याओं ,(बेटियां) को समाज की उपेक्षा ,दूरलक्षिता का शिकार होना पड़ता है किस तरह से उन्हें समाज की उपेक्षा सहन करनी पड़ती हैं किस तरह से पूरा समाज उस माता को कोसता है जो पुत्र को जन्म देने में असमर्थ हैं किस तरह उसके परिवार के लोग और आसपास के लोग व्यवहार करते हैं किस तरह कन्या की माता को समाज के ताने सुनने पड़ते हैं यदि कोई स्त्री पुत्र देने में असमर्थ होती है तो उसके पति को दुसरा विवाह के लिए प्रेरित किया जाता हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि, कन्या के जन्म से लेकर उसकी मृत्यु उपरांत जो भी मानसिक यातनाएं उन्हेंं (स्त्री) को सहन करनी पड़ती है उन सभी की यातना, वृथा का वर्णन उनके खंडकाव्य में देखने को मिलता है।

५. बाल मनोविज्ञान से संबंधित :

कवि संतोष 'बादल' ने बाल साहित्य पर भी अपनी लेखनी चलायी है कि किस प्रकार शिशु जब जन्म लेता है तो उसके परिवार में किस तरह से खुशियों का माहौल उत्पन्न हो जाता है किस तरह बच्चों की एक-एक हरकतें पूरा परिवार के लिए मनोरंजन का साधन बन जाता है बच्चे भगवान के रूप हैं बच्चों के रहने से पूरा परिवार एक बगीचे के समान हो जाता हैं जिस में खुशियों के फूल लगते हैं जिसमें बिना भेदभाव दुनिया के गम, दुःख, दर्द को कम करने की शक्ति होती है उसके साथ ही प्रत्येक माता-पिता,दादा-दादी को परम सुख अनुभव कराने का गुण होता हैं पर वही बात हम निम्न मध्य वर्ग के परिवार के बच्चों में देखे तो, ना जाने कहां चले गया उनका बचपन? ऐसे दुखदायी दृश्य हमें देखने को मिलते हैं जिनके हाथों में खिलौना होना चाहिए, पढ़ने की किताबें होनी चाहिए, वहीं उनके हाथों में भीख का कटोरा हैं। फुटपाथ पर सामान बेचते तथा कारखाने में काम करते नन्हे छोटे बच्चे। इन सभी की दुर्दशा को देखकर कवि संतोष 'बादल ' पांडे का हदय दारूण दर्द से आहत होता हैं इन्हीं पीड़ा से भलिभूत होकर उन्होंने अपनी कविता फुलवारी ,बेटी, हंसते फूल, बचपन लिखा हैं। जिसमें बच्चों की मानसिक स्थिति एवं गरीबी और भुखमरी से उत्पन्न विषम परिस्थिति का वर्णन किया है कि किस तरह बच्चों का बचपन छीना जा रहा है।

पर्यावरण एवं यातायात संबंधी रचनाएं :

कवि संतोष 'बादल' ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पर्यावरण संबंधित कविताएं लिखी हैं जिनका केवल एक ही उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन करना हैं उन्होंने अपनी रचना 'धरती करे पुकार' और 'यह धरती आकाश' के माध्यम से मानव द्वारा, किस प्रकार प्रदूषण फैलाया जा रहा है और मनुष्य किस तरह नए-नए आविष्कार कर अपनी पृथ्वी को तबाह कर रहा है। कवि ने आने वाले भविष्य के अपनी प्रति चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि, 'आने वाले समय में मनुष्य को शुद्ध हवा, पानी भी नहीं मिल पाऐगा ,यहां तक कि हमें शुद्ध पानी और खाना भी मिलना मुश्किल हो जाएगा I इस संसार से सामान्य पशु पक्षी को देखना भी दुर्लभ हो जाएगा इतना ही नहीं मनुष्य और अन्य प्राणियों की आयु भी कम हो जाएगी इसके अलावा उन्होंने जनसंख्या और बढ़ते यातायात के कारण उत्पन्न गंभीर समस्या जैसे- दुर्घटना आदि का भी उल्लेख किया है ; किस तरह रास्ते पर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर दुर्घटना होती है। किस तरह एक व्यक्ति की गलती दुसरे के जीवन को नष्ट करने का कारण बनतीं हैं । किस तरह एक व्यक्ति अपनी और दूसरों की जान का दोषी बन जाता हैं।

भ्रष्टाचार एवं चापलूसी वर्ग से संबंधित रचनायें :

कवि संतोष 'बादल' पेशे से एक पुलिस अधिकारी है उन्होंने अपने जीवन में भष्टाचार, रिश्वतखोरी, घूसखोरी ,जमाखोरी आदि को अपनी आंखों से देखा है साथ ही अपना मतलब निकलने वाले चापलूसों को भी अपनी आंखों से देखकर कवि संतोष 'बादल' ने 'तीसरा मेंढक' एक व्यंग प्रधान कविता की रचना की है इसके साथ ही 'पुलिस वाला एक कवि 'नामक एक कविता संग्रह भी लिखा हैं जिसमें व्यंग्यात्मक शैली के माध्यम से भष्टाचार एवं चपलुशी करनेवाले की पोल खोलतीं हैं। इस प्रकार कवि 'संतोष बादल ' ने साहित्य की संपूर्ण विधा पर अपनी लेखनी चलाई हैं तथा समाज का कुंठित ध्यान केंद्रित कर इन गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट किया हैं।

निष्कर्ष :

अतः हम कह सकते हैं कि कवि संतोष पांडेय 'बादल' एक अनुपम कवि हैं जिन्होंने ने अलग-अलग विधाओं पर अपनी लेखनी चलाई है जो समाज को जागरूक करने और प्रेरणा देने में सक्षम हैं।

संदर्भ सूची :

आधार ग्रंथ :

- तिनको का महल (खंडकाव्य) प्रतिमा 2006 प्रकाशन दिल्लीI
- तिमिर (खंडकाव्य)2007 नवदीप प्रकाशन दिल्ली I
- हंसते फूल(बाल कविता संग्रह) पुरुस्कृत 2008 नवदीप प्रकाशन I
- धरती करे पुकार (पर्यावरण कविता) पुरस्कृत2009 बाल शिक्षा पुस्तक संस्थान दिल्ली I
- बचपन (खंडकाव्य)2009- स्नेहा प्रकाशन गोरेवाडा रोड,नागपुर I

- कृष्ण सागर (पदावली) बाल साहित्य शिक्षा संस्थान दिल्ली I
- प्रियदर्शनी (खंडकाव्य)2013 प्रतिमा प्रकाशन दिल्ली I
- बेटी (खंडकाव्य)2012-प्रतिमा प्रकाशन दिल्ली I
- तीसरा मेंढक(व्यंग्य में निबंध संग्रह)2014 - प्रतिभा बुक डिस्ट्रीब्यूटर दिल्लीI
- धरती करे पुकार ,यह धरती आकाश(पर्यावरण दोहावली)-2014 नवदीप प्रकाशन दिल्ली I
- पुलिस एक कवि (कविता संग्रह)2015 -साहित्य केंद्र प्रकाशन दिल्ली I
- 450 से अधिक रचनाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशितI
- फुलवारी प्रकाशन -2016 -बाल शिक्षा पुस्तक संस्थान दिल्ली I
- पथ के पदचिन्ह- नवदीप प्रकाशन दिल्लीI
- अत्तदीप भव :2018 साहित्य केंद्र प्रकाशन दिल्ली।
- ‘नीर भरी दुख की बदली ‘2025 कलमकार पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड.